वर्तनी

PART-3

ड, ढ → साधारण व्यंजन

ड़, ढ़ → ताड़नजात/उत्क्षिप्त/द्विगुण व्यंजन

नियम नं॰-2

प्रत्यय → मूल शब्द के पीछे जुड़ने वाला शब्दांश

(1) अ - आ + इक
(2) इ - ऐ + इक
(3) उ - औ + इक

* 'इक' प्रत्यय लगने पर अ-आ, इ-ऐ, उ-औ बन जाता है

उदाहरण-

सप्ताह + इक → साप्ताहिक
धर्म + इक → धार्मिक
वर्ष + इक → वार्षिक
उद्योग + इक → औद्योगिक

कोई बदलाव नहीं
- साहित्य + इक → साहित्यिक
- मास + इक → मासिक
- भूगोल + इक → भौगोलिक

प्रश्न-: वर्ष में 'इक' प्रत्यय जोड़कर कौन-सा शब्द सही लिखा गया है-

(A) वर्षिक (B) वर्षीक (C) वार्षिक (✓) (D) वर्षीकि

इतिहास + इक → ऐतिहासिक
अध्यात्म + इक → आध्यात्मिक
प्रमाण + इक → प्रामाणिक
पुराण + इक → पौराणिक
उ,ऊ + औ
प्रथम + इक → प्राथमिक

क, ख, ग → (अ)

ख + आ → (खा)

क् + अ → क

ख् + अ → ख

च् + अ → च

संविधान + इक → संवैधानिक

विधान + इक → वैधानिक

राजनीति + इक → राजनीतिक

विज्ञान + इक → वैज्ञानिक

समाज + इक → सामाजिक

नियम नं॰-3

अनुस्वार संबंधी (ं) → नाक से आवाज

→ दीर्घ स्वर के ऊपर अनुस्वार नहीं लगाते हैं, उसकी जगह, चंद्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण-

(ँ) → नाक व मुँह दोनों से आवाज

चांद → चाँद

गांधी → गाँधी

आंख → आँख

चांदनी → चाँदनी

ऊँग → ऊंग

ईंट → ईंट

→ यदि दीर्घ (ई) स्वर दिया गया है, और उसकी मात्रा शिरोरेखा से ऊपर चढ़ी होती है, तो कभी-भी चंद्रबिंदु नहीं लगाया जाता है।

ईंट → ऊपर निकली मात्रा → शिरोरेखा

दीर्घ स्वर – ⑦

अ, (आ), इ, (ई), उ, (ऊ), ऋ, (ए), (ऐ), (ओ), (औ)

अंग, आँचल, गंगाजल, पतंग, बंदर, पलंग, ऊँट, अंगूर, रंग, संक्षेप, पंचर

(1) लघु-④ → अ, इ, उ, ऋ (मात्रा का समय)

(2) दीर्घ-⑦ → आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ (दो मात्रा का समय)